बह गए हैं। इससे इन गांवों को भी

कार्रवाई शुरू की जाएगी।

मौत को मात देकर टनल से बाहर आए राकेश बोले बीएसएनएल ने बचाई जान

संवाद न्यूज एजेंसी

जोशीमठ। चमोली आपदा के दौरान टनल में फंसे मजदूरों को मौत के मुंह से बाहर खींच लाने में बीएसएनएल (भारत संचार निगम लिमिटेड) की मोबाइल सेवा सहारा बन गई। अचानक आई बाढ़ से मजदूर टनल में कैद हो गए थे, तभी बीएसएनएल का थोड़ा नेटवर्क आ जाने से उन्होंने अपने फंसे होने की सूचना दी। आईटीबीपी और राहत दल ने तपोवन-विष्णुगाड़ परियोजना की टनल में फंसे 12 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला है।

टनल में फंसे इन मजदूरों में नृसिंह मंदिर जोशीमठ निवासी राकेश भट्ट भी शामिल थे। राकेश ने बताया कि वे परियोजना स्थल पर काम करा रही रित्विक कंपनी में आपरेटर हैं। रविवार की सुबह ड्यूटी टाइम पर वह भी अन्य मजदूरों के साथ टनल के अंदर काम करने चले गए। वह मलबे को बाहर खींचने वाले लोडर पर काम कर रहे थे, अन्य मजदूर भी अपने काम में जुटे थे, तभी यकायक टनल के अंदर मलबे से साथ पानी भर आया। मिनटों में ही पानी का प्रवाह तेज होने पर उनमें अफरातफरी मच गई। वे बाहर निकलना चाहते थे,

लेकिन रास्ता नहीं मिला।

राकेश ने बताया कि हालात काफी भयावह होने से उनका हौसला टूटने लगा था। आखिरकार थक हारकर ईश्वर को याद करते हुए सभी 12 लोग मशीनों के ऊपर चढ़ गए। इस दौरान उन्होंने अपने घर परिवार और कंपनी के लोगों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन किसी भी मोबाइल कंपनी के नेटवर्क के काम नहीं करने से वह सूचना नहीं दे पाए। इस बीच बीएसएनएल की फोन सेवा से एक किरण दिखाई दी। बीएसएनएल फोन पर सिग्नल आते ही उन्होंने अपने अधिकारियों को टनल में फंसे होने की सूचना दी। अधिकारियों की सूचना के बाद आईटीबीपी और राहत दल ने रेस्क्यू अभियान चलाकर उन्हें सुरक्षित बचा लिया।

एक किमी नीचे ऋषि गंगा
संगम है। जहां से लगभग पां
गंगा पर एनटीपीसी की 5
तपोवन जल विद्युत परियोज
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सु
बजे ऋषि गंगा में बाढ़ आई
रहे करीब 30 कर्मचारियों के
की आशंका है।

बाढ़ की तीव्रता इतनी
पहले ही पानी तपोवन जल वि
पहुंच गया, जिससे बैराज सा
संख्या में काम कर रहे मजदू
जा रहा है कि ऋषि गंगा में पा
से अधिक बढ़ गया था। जि
हुई उसी वक्त रात्रि शिफ्ट
शिफ्ट में काम करने के लिए
मौके पर पहुंची प्रशासन की
रेस्क्यू में जुटी हुई थी।

स्नो ए

वाडिया इंस्टीट्

ग्लेशियर टूटने के बाद